# भारत प्रवाह

हाल ही में पत्तन, पोत परविहन और जलमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की शृंखला के माध्यम से दैनिक जीवन में **नदियों, बंदरगाहों एवं नौवहन के महत्त्व तथा कल्पना** को उजागर करने के लिये **'भारत प्रवाह-भारत अपने तटों के साथ (Bharat Pravah-India along its Shores)'** पहल शुरू की है।

- केरल में कोच्चि, विझिंजिम और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में गैलाथिया बे बंदरगाहों ने पूर्ण रूप से ट्रांसशिपमेंट हब बनने की दिशा में प्रगति की है।

## भारत प्रवाह:

- **परिचय:**
  - भारत प्रवाह **शिपिंग, नदियों, समुद्रों और लोगों का व्यापक दृष्टिकोण** विकसित करने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों से हितधारकों को एक-साथ लाने के लिये एक सामान्य मंच के रूप में काम करेगा।
  - यह समुद्री क्षेत्र से संबंधित चुनौतियों, नीतिगत मुद्दों और भविष्य के लक्ष्यों को उजागर करेगा।
- **थीम:**
  - भारत में नदी और समुद्र केंद्रित विकास-ऐतिहासिक दृष्टिकोण।
  - लोक संस्कृति और साहित्य में समुद्र, नदी, बंदरगाह और जहाज़।
  - लोकप्रिय संस्कृति में बंदरगाहों और नौवहन का प्रतिनिधित्व।
  - पिछले 30 वर्षों में भारत के विकास में नौवहन और बंदरगाहों की भूमिका।
  - बंदरगाहों के निजीकरण की राजनीति और अर्थव्यवस्था।
  - अंतर्देशीय जलमार्ग - विकास की प्रमुख धारा, उनकी भूमिका और महत्त्व।
  - हरित बंदरगाह और नौवहन उद्योग।
  - बंदरगाहों और नौवहन उद्योग का भविष्य- प्रबंधन, चुनौतियाँ और नीतियाँ।

## भारत में बंदरगाहों से संबंधित महत्त्वपूर्ण बिंदु:

- सरकार चाहती है कि सभी बंदरगाह वर्ष 2047 तक मेगा बंदरगाह बनने हेतु एक मास्टर प्लान तैयार करें।
- वर्तमान में **भारत के ट्रांसशिपमेंट कार्गो का लगभग 75% भारत के बाहर बंदरगाहों पर वहन किया जाता है।** मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार, **कोलंबो, सिंगापुर और क्लैंग** के बंदरगाह इस कार्गो के 85% से अधिक का वहन करते हैं।
  - ट्रांसशिपमेंट हब ऐसे बंदरगाह होते हैं जिनका मूल और गंतव्य बंदरगाह से संपर्क होता है।
- भारत मेगा बंदरगाहों का निर्माण करना चाहता है जो डिजिटल और पर्यावरण के अधिक अनुकूल होंगे लेकिन इसके समक्ष कई चुनौतियाँ हैं।
- **भारत लगभग 35% कंटेनरीकरण करता है,** जबकि **अन्य विकासशील देश 62% से 65% कंटेनरीकरण करते हैं।**
  - वर्तमान में भारत **कंटेनरों का उपयोग करने के स्थान पर बल्क शिपिंग अधिक करता है,** हालाँकि हम कंटेनरीकरण (Containerization) की दिशा में तेज़ी से प्रगति कर रहे हैं।
- वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी **मात्र 2%** है। व्यापार संतुलन आयात की ओर है। **लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस इंडेक्स में भारत 44वें स्थान पर है।**
  - कम रैंकिंग का कारण उचित **बुनियादी ढाँचे और प्रक्रियात्मक सुधारों का अभाव है।**

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/bharat-pravah-india-along-its-shores